श्याम की नौकरी | by Sanjay- Deep

करले कबूल एक विनती मेरी
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी
यही पहली इच्छा है यही आखिरी
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

यहाँ वहां दुनिया घुमाती है मुझको
ऊँगली पे अपनी नचाती है मुझको
हार गया करके दुनिया की चाकरी
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

जैसा कहेगा तू वैसा ही करुगा
चौखट पे तेरी पड़ा मैं रहूँगा
सारी ही मर्ज़ी चलेगी तेरी
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

मुझपे ये होगा तेरा एहसान बाबा
शर्मा का कर दे कल्याण ओ बाबा
संजय और दीप को आरज़ू तेरी
श्याम अपने चरणों में देदे नौकरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-sanjay-deep/